ਬਸਨ	ਮੈਦਾ	ਆਟਾ	ਖੰਡ	ਸੂਜੀ
੫) ਮਨਪਸੰਦੇ	੫) ...	੨੦) ਪੂਰੀਆ	੧) ੫ ...	੨॥) ...
	੦) ਕਾਠੇ ...	੨੦) ਪੂਰੀਆ	੫) ਪ੍ਰਸਾਦਨੂੰ	੨) ਸੂਜੀ ...
	੨) ...	੮) ਪੂਰੀਆ	੨੩) ... ਮਰਗਖਾਣੇ ਨੂੰ ...	
	੫) ...	੫) ਪੂਰੀਆ	੨੦) ...	
	੫) ...		੨) ਪ੍ਰਸਾਦਨੂੰ	
	... ਹਿੰਸਿਆ	੪੩		
	੫) ...	੧) ੩	~~੨ ...~~	
	੨੦) ...		੨) ੨੫।	
	੪੦		ਜੋੜ ੯) ੨॥	

ਸ੍ਰੀ ...

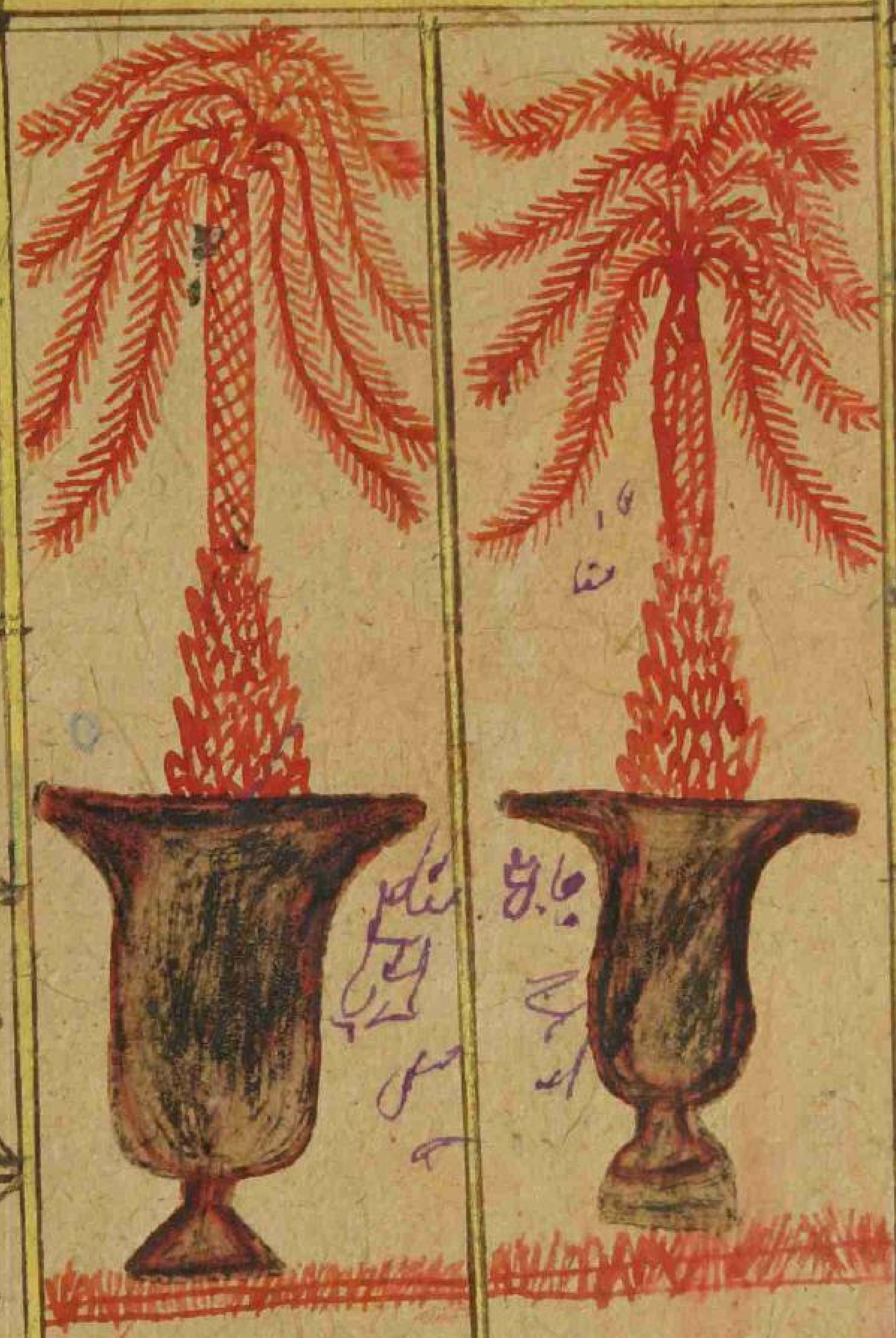
ਭਾਦੋ

੧ ਪਤਰ

ਛੌਹੈਂ ਭਈ ਲੇਤ ਨਾਮ ਰਾਜ ਸ੍ਰੀ ਨਰਿੰਦ੍ਰ ਸਿੰਘ ਦਾਰਦ ਦੁਖ ਜਾਤ
ਸਭ ਜੈਸੇ ਨਿਸ ਧੂਪ ਤੋ। ਜੈਉ ਜਨ ਦੇਰਕੇ ਦਿਦਾਰਕੇ ਦਰਸ ਕਰੇ ਪਾਬਤ
ਨੰਬ ਨਿਧ ਸਿਧ ਸਾਹਿਬ ਸਰੂਪ ਤੋ। ਜੈਉ ਜਨ ~~[illegible]~~ ਜਾਨਕੇ ਚਰਨ
ਚਿਤ ਚਾਹ X ਰਾਖੇ ਭਜਨ ਤ ਪਲੇਜਾ ਸੋ ਹੋਵੇ ਬੇਸਮ ਭੂਪਤੋ। ਜੁਗੋ ਜੁਗ
ਰਾਜ ਮਹਾਰਾਜ ਸ੍ਰੀ ਨਰਿੰਦ੍ਰ ਸਿੰਘ ਟਿਕ ਗੇਜੇ ਦੇਸ ਸਬ ਟਿਕ ਸਾਰ
ਫਤੋ। ੨।।

ॐ॥१॥

ॐ॥१॥
नाममालाष्ठनेका
र्थयुक्तितनंद लाल॥
लिष्यते॥ शुभं संतु॥



न. । सौ तंन

सौ

ॐ स्वस्ति श्री गणेशाय नमः॥ ॐ सर्वेभ्यो देव
भ्यो नमः॥ अथ नाममाला लिख्यते हित नंद
लाल॥ दोहा॥ तंन माम पद पद्म गुर कि
सन कमल दल नैन॥ जग कारन करना इ
न गोकुल जिन के ऐन॥ १॥ दोहा॥ उचर
सकत न संसहित ज्ञानो चाहत नाम॥ तिह
लष नंद सुमत यथा रची नाम की दाम॥
२॥ दोहा॥ नाम रूप गुण भेद के सोइ प्रगट
यहु ठोर॥ ता बिन तत न ज्ञान कछु कहे स
मरमत बोर॥ ३॥ दोहा॥ ग्रंथ यथु नाना
नाम के अमर कोस के भाइ॥ मानवती के मा
न पर मिलत अर्थ सब आइ॥ ४॥ छती
नाम॥ दोहा॥ असतं बदर बहु कार मध
गर बस मे अभिमान॥ मान राधे के कुचर
को सब को करत कल्यान॥ ५॥ दोहा॥
असतंब बसलतका ऊर पीइ की निरख आ
पनी छाइ॥ ता ते रूप जो मान ही यं आनति
या के भाइ॥ ६॥ सखी नाम॥ दोहा॥ वैस
सि घ्री ची सखी हितु सहचरी आइ॥ अ
ली भली नंद लाल की चली मनावन ता
इ॥ ७॥ बुद नाम॥ दोहा॥ बुद मनी बासे
सुषी मे धाधि बल धीइ॥ मता स्यामसो
कर चली वडी विछछनती इ॥ ८॥ वा
णी नाम॥ दोहा॥ वाणी वाक सुरसती
इढ़ा सारद नाम॥ चली मनावन भा
र थी वचन चातरी काम॥ ९॥ गेह
नाम॥ दोहा॥ सदन सदन आगार
गृह गेह वसन संकेत॥ धाम धवल
पद आव पद अल हून लह संकेत॥
१०॥ दोहा॥ मंदर मंडप आपतन

सनन के अस पान ॥ भमन भूप विवि बमा
न के गई सह चरी जान ॥ ११ ॥ दोहा ॥
कंचन अरजन कांत सुर हेम हिमन सुवरन
अष्टापद हाटक पुरट सीत कुंभ सो सुभ्र
ण ॥ १२ ॥ दोहा ॥ जात रूप कल धूप हर स्वा
मी करतपनी उ ॥ रुकम रु द्र सारदन कनक म
हारजत रमनीउ ॥ १३ ॥ दोहा ॥ कुंदन की
वरभीत यह मान कं गं छत देत ॥ जहात
हान रनार इक तुक तुक राई लेत ॥ १४ ॥
रूपे को नाम ॥ दोहा ॥ रुकम रजत दुखर
न पुनजात रूप बर जेर ॥ रूपे की गोसाल अ
रु भूप भवन के दूर ॥ १५ ॥ सुकल नाम ॥ दोहा
सुकल सुरू पांडव विसद सित सुरजन अ
वदात ॥ धवल नवल अरु चीस्रुटावदात घ
टा सो वात ॥ १६ ॥ सोवा नाम ॥ दोहा ॥ भा
खा भा सोवा सुवा सुखमा परमा कांत ॥ दुत
न कहीय वरै भमन की सुरभेलिल ब भात ॥
॥ १७ ॥ किरन नाम ॥ दोहा ॥ अंस गव सत मयु
रकर गो मरीच अंव स्रोत ॥ दुसम परस
सस सरपर रजगमग जगमग होत ॥ १८ ॥
मोर नाम ॥ दोहा ॥ नील कंठ केकी विरह
सिखी सिखंडी होइ ॥ मयूर कलापी अ
हि भषी सिव सुत वाहन सोइ ॥ १९ ॥ दोहा ॥
नाचत मोर क सोर अत अतही भरे अ
नंद ॥ छिन छिन इन अ जोर है नवनीर
द नंद नंद ॥ २० ॥ सिंह नाम ॥ दोहा ॥
कंठीरा हरी केसरी पुंडरीके हर अंह ॥
म्रिगपत हीमे चाष वन पंचानन परभ
का ॥ २१ ॥ दोहा ॥ सिंह पोर बृषभान के

अं
३

सहचरीकाहचीजाइ॥अतसंघटिभटनट
नकीठाढीभईलजाइ॥२२॥तुरंगनाम॥
दोहा॥बाजीबाह तुरंगहै सैंधरअरव
कंक्यान॥तरलतरंगसमीरसमनेकुन
पंयेजान॥२३॥हस्तीनाम॥दोहा॥हं
स्तीदंतीदुरदकुपपदमीवारनविआल॥
ईभकुंजरकुंभीकरीतंबीरनसुंडाल॥२४
॥दोहा॥सेंधरअनगपनागहरमत
सांमतमिसेंग॥ईतमियेंदरूमतबेरं
गतनानारंग॥२५॥अष्टसिधकेनाम॥
दोहा॥अणमामहमागरमतालघमा
प्रापतकाम॥वसीकरनअसईसताअं
ष्टसिधकेनाम॥२६॥दोहा॥अष्टसि
धएकंष्टकरपावतेएसंसार॥तेव्रिख
भानभूपालकेदुआरबुहारनिहार॥
२७॥नवनिधनाम॥दोहा॥विरंचप
द्ममहापदमकंछपमकरमुकंद॥
संषऐकअरनीलइकअरइकवली
यतकुंद॥२८॥दोहा॥एनवनिधया
जगतमैकाहुविरलेदीष॥तेव्रिखभा
नभूपालकेपरतभिषारनभीष॥२९
॥मुकतनाम॥दोहा॥मोछअमितकै
वलपुनअपवनिरभवअपवरग॥नि
सचेअसनिरवानसुषमहासिंधव
रवरग॥३०॥दोहा॥मुकतओचा
रप्रकारकीनहपैयतविनजोग॥ते
व्रिखभानभूपालकेपावतपामरलो
का॥३१॥राजानाम॥दोहा॥राजा

परब्रितअघघवत्रिवत्रिपतमहीपतभूप॥
श्रीब्रिखभानकीपौरपरवैठीसभाअनूप॥
॥३२॥ इंद्रनाम॥ दोहा॥ संक्रसंक्रंदितसची
पतसंक्रंदनपरहूत॥ कौसकवासवब्रि
तआम बवामातलसूत॥३३॥ दोहा॥ त्रि
समपुरंदरब्रित्रघरसुराषानदिवपा
क॥ सोहेजहांब्रिखभानतहांकोहैइंद्रव
राक॥३४॥ देवतानाम॥ दोहा॥ देवअ
मरनिरजरबबुधसुरसुमनबुधवेस॥
विंद्रारकवीवानगतअग्रजिनहअम्रि
ततेस॥३५॥ दोहा॥ दिवषदलेषावर
लमुखगीवाणअतआप॥ कौनदेवत
रंकजिहजिहबनवैहेआप॥३६॥ अंम्रि
म्रितनाम॥ दोहा॥ सोमसुधापेयूषअं
म्रितअगधराजसुरभोग॥ अमीजहा
कानरकथामैंतरहतसुबलोग॥३७॥
किरननाम॥ दोहा॥ अंसगवसमयूरक
रगोमरीचवचसओत॥ रसमपरसससह
सरकीजगमगजगमगहोत॥३८॥ मै
नकेनाम॥ दोहा॥ सांतहिंडमनमथवि
ताआतमामानसक[illegible]॥ मनमेसोचत
सहचरीभीतरकहविधआइ॥३९॥
कंजलनाम॥ दोहा॥ गजकेजलपाट
लछबीनागदीपसुतसोइ॥ लोकाजन
डिगदेचलीताहनदेखेकोइ॥४०॥ चेरी
नाम॥ दोहा॥ चिंत्राविधकरकेकरीचेरी
भरतअंत्रेव॥ राजतमएमैअजरमै
कोऊरचसीकोरेच॥४१॥ सीदानाम॥

दोहा॥ नखकपदकसोचुंज गुनहीरादिवेसु
सैन॥ सुकचिततिहतनदखंजनभूपभव
नकेनैन॥४२॥ मंगलनाम॥ दोहा॥ कुंज
अंगारकभौमसुतसोहततनमंबाल॥ मं
गलसभिहजगमगेदीपकधरेजुला
ल॥४३॥ [illegible]नाम॥ दोहा॥ ऊसनाभार
गवकाव्यकवदैतपरोहतनाम॥ गजमो
तीकिलमिलतजिहछ्कधामअभराम
॥४४॥ बृसपतनाम॥ दोहा॥ जीवसिखं
डीगुरधिखलश्रीवतअंगरवाल॥ दिवे
वीतमनधाममैमानोबृसपतमाल॥४५
॥ मोतीनाम॥ दोहा॥ ससमोतीमोतीगुल
कअमलजसीपसुतनाम॥ वंदनमाला
मुकतकीमानोब्रिसपतधाम॥४६॥ लछमी
नाम॥ दोहा॥ श्रीपदमापदमालयापा
चकमलाहोइ॥ रमाइंदराविद्यसुताबि
सनवलभासोइ॥४७॥ दोहा॥ जाकीनै
ककटाछछचरलीसवेजगकोइ॥ सोल
छमीब्रिखभानघरआपवसीहैआइ॥४
८॥ माताकानाम॥ दोहा॥ अंबासावित्रिपुस
जनप्रतीमानाम॥ जननीराधाकुंवरकी
वैठीविहसतधाम॥४९॥ नमसकारना
म॥ दोहा॥ वंदनपरहुतपरनपुनअ
ववादनकरताह॥ आगेचलीचतरअ
लीजहाकुंवरवरआह॥५०॥ सहीना
म॥ दोहा॥ आरोहणआरोहणनिजा[illegible]
लीसोपान॥ मएमैसिढीचढीसखीलखी
नकाहुआन॥५१॥ पंक्तीनाम॥ दोहा॥
दोहतापंक्तीकंनकातनीआतनओहोइ॥

सं ६

सुताजहां व्रिखभानकी तहां सखी गई से
इ॥५१॥ सेज नाम॥ दोहा॥ कंसपत ल
व संग्या सेइ न संवर सैन सुनी इ॥ दुग्ध
फैन सम सेज पर बैठी ती यरमनी इ॥५
२॥ अधर नाम॥ दोहा॥ अधर अरघ अत
न नवबन बतान सोवान॥ चंदबकु दोक
र मनो अधर राखो तान॥५४॥ असीसी
नाम॥ दोहा॥ अपविरहन अपविरहु
न कंदन सोइ असीर॥ कुसम असीसी अ
कसके बैठी मान गंभीर॥५५॥ फूल नाम॥
दोहा॥ सुसम कुसम परसून सुन सुबक
लपित नाम॥ सुसम कुसम की गेंदली ए
कव सो फल तबाम॥५६॥ मुख नाम॥ दो
हा॥ आनन आस पलव दन बंक तंड
कव भौन॥ तिअ तूबो मुख बपर बरतजि
अदरपन मुख पोन॥५७॥ स्रवण नाम
॥ दोहा॥ स्रुव स्रुवपाउव विसद लित स्रु
रज न स्रुवदात॥ धवलन वल अ चीस्रु
टा करत घटा सो बात॥५८॥ सिर नाम॥
दोहा॥ उतमांग कंसीरक सिर मोती मां
ग सुधार॥ राहु दिवाकर अदत जन सो
हत चंद लैला रा॥५९॥ केस नाम॥ दो
हा॥ स्रुलक सिरोरुह चिव कक चमूर
दिज कुंतल अर॥ बाल विसाल सुबा
ल के मानो मनम पथ न्रिप चोर॥६०॥
माथे के नाम॥ दोहा॥ मलक स्रुलक
ली लार मैव न रली बें दी जरा वा॥ माने
भाग मन भाल ते बाहर निकसी आवा

ਵ੧੨੭੫

ਅੰ ੭

॥੬੧॥ ਭ੍ਰਿਕੁਟੀ ਨਾਮ ॥ ਦੋਹਰਾ ॥ ਤੰਡੀ ਭਿਸ ਭ੍ਰਮਾ
ਲਕਾ ਭੌਹ ਭਈ ਅਤ ਟੇਢ ॥ ਜਨ ਸਿਵ ਪਰ ਰਿ
ਸ ਭਮਰ ਕੁਰ ਮੈਨ ਚਢ੍ਹਾਯੋ ਚੋਢ ॥੬੨॥ ਕੁ
ਟਲ ਨਾਮ ॥ ਦੋਹਰਾ ॥ ਕੁੰਟਲ ਬਾਮ ਗੁਰ ਅਸ
ਤ ਪੁਨ ਕੁੰਚਤ ਭੌਰਨ ਹਾਰ ॥ ਤਿਸ ਰਾਤੇ ਮੁਖ ਕ
ਮਲ ਪਰ ਭ੍ਰਮਤ ਮਨੋ ਬਿਚ ਭੌਰ ॥੬੩॥ ਨੇਤ੍ਰ
ਨਾਮ ॥ ਦੋਹਰਾ ॥ ਲੋਚਨ ਅੰਬਕ ਸੁ ਚਛ ਦ੍ਰਿ
ਗ ਈਛਨ ਨਯਨ ਅਧੀਨ ॥ ਤਿਸ ਰਾਤੇ ਨੈਨਾ ਮ
ਨੋ ਜਾਬਕ ਭੀਨੇ ਮੀਨ ॥੬੪॥ ਕਰ ਨਾਮ ॥ ਦੋ
ਹਰਾ ॥ ਹਸਤ ਬਾਹ ਕਰ ਪਾਣਿ ਪਰ ਕਵੰ ਕੁਧਰ
ਤ ਕਪੋਲਾ ॥ ਬਰ ਅਰਬਿੰਦ ਬਿਛਾਯ ਜਨ ਸੋ
ਹਤ ਚੰਦ ਅਡੋਲ ॥੬੫॥ ਬਡਸੀ ਨਾਮ ॥ ਦੋਹਰਾ ॥
ਬਡਸ ਕੁਬੀਨੀ ਮੀਨ ਹਾਮ ਤਸਾਧਿ ਅਨੀਸ
ਹ ॥ ਬਡਸੀ ਮਾਨੋ ਮੈਨ ਕੀ ਬੇਸਰ ਰੂਮ ਛਬ ਦੇ
ਹ ॥੬੬॥ ਤੀਰਥ ਨਾਮ ॥ ਦੋਹਰਾ ॥ ਭ੍ਰਯ ਚਲ ਪੁ
ਣਸ ਪੁਣ ਹਤ ਪੁਨ ਆਪ ਦਾਤ ਦੁਖ ਸਾਲ ॥ ਕ
ਲੀ ਦੀਰਥ ਸੁਆਸ ਪੁਨ ਬਿਹਸ ਪਰਤ ਬ
ਰਬਾਲ ॥੬੭॥ ਦੰਤ ਨਾਮ ॥ ਦੋਹਰਾ ॥ ਦਸਨ
ਦੰਤ ਦਿਜ ਰਦਨ ਰਦ ਦਮਕਤ ਇਮ ਰੰਗ ਭੀ
ਜ ॥ ਆਪ ਧਰੇ ਜਨ ਕਮਲ ਮੈ ਸੀਤਲ ਬਿ
ਜਲ ਬੀਜ ॥੬੮॥ ਅਧਰ ਨਾਮ ॥ ਦੋਹਰਾ ॥
ਹੋਠ ਬਚਨ ਤਪੁਨ ਰਦਨ ਛਦ ਅਧਰ ਮਧਰ
ਰਮਭਾਇ ॥ ਲਿਬਤ ਲੇਬਕੇ ਲਾਧ ਕੀ ਕਿਲ
ਕ ਉਬਲੋ ਜਾਇ ॥੬੯॥ ਸ੍ਯਾਮਤਾ ਨਾਮ ॥
ਦੋਹਰਾ ॥ ਕਾਲ ਸ੍ਯਾਮ ਮੇਚਕ ਅਸਿਤ ਚਿਬ
ਕ ਨੀਲ ਕਵ ਅੈਨ ॥ ਮਨੋ ਰਸੀਲੇ ਆਬਕੇ
ਮੁਲਕ ਰਮੂ ਦੋ ਨੈਨ ॥੭੦॥ ਪਾਨ ਨਾਮ ॥ ਦੋ
ਹਰਾ ॥ ਦਿਜ ਤੰਬੋਲ ਅਹਿਬੇਲ ਦਲ ਪਾਨ

छतीकेनाम

वदनदुतदेइ॥ पीकलीकछुकं ठदिषाय
बीवलेई यांलेइ॥७१॥ दोहा॥ उरजनि
यो घरकुचअुसतनउरमंडनछ्वलेवा
कंचनसंपटमेमनोप्रजछिपाएदेवा॥७
२॥ प्राक्रितनाम॥ दोहा॥ रुजीअवलीअ
लततेरामपातदुरुभाइ॥ मनोइततेउतमि
लमिलेचरवेनीकीकाइ॥७३॥ छुद्रघंटका
नाम॥ दोहा॥ रसनाकांचीकंकनीसूत्रमे
षलाप्राल॥ छुद्रावलजलमैनघरवाघा
वंदनवाला॥७४॥ तरकसनाम॥ दोहा॥
उपासंगतूनीरपुनइकसीतूणत्रबंग॥
पुंडरीमनमथभासहीचुवतअ्राधनोरं
ग॥७५॥ नूपरनाम॥ दोहा॥ पावंगतमं
जीरपुनतुलाकोटपदमाल॥ नूपरन
षकउठतमनोमनमथवैनरसाल॥
७६॥ वस्त्रनाम॥ दोहा॥ चेलनचोलसु
कूलपटओढेकूकमचीर॥ कांचकरो
तीरंगजिमझलकतवसनसरीर॥७७
दरपननाम॥ दोहा॥ दरपनतादृश्याद
रपपुनमुकरमुकरतोलेइ॥ फेरघरत
निजदृगनतेपीयाजहदिषाइदेइ॥७८
वीणनाम॥ दोहा॥ तंत्रीवीणावलकी
वोहरपंनचीआरु॥ चीनवजावतस
रुचरीतरजतवरजततारु॥७९॥ की
रनाम॥ दोहा॥ रकततुंचसुककीरपु
नसुवापढतहरनाम॥ शुकसरूरावत
ताहपुनविहसपरतवरवाम॥८०॥

पालीनाम॥ दोहा॥ अंबुज कमल के लाल जल
पै पुबर पुन च्यूरा॥ अंमृत अधर एजीवनभव
न घन रस कुसम अधा॥८१॥ दोहा॥ मेघ
पुब बिलास रस पलु छवि कंवध रस तोइ॥ अ
धक पाय सेवर सलल अंमृत पीवहै सो
इ॥८२॥ दोहा॥ पानी नैन प बारके अंज
न हातो कीय॥ पुगट भई पियकी सखी नि
कटन संकट हीया॥८३॥ आसिकनाम॥ दो
हा॥ आभिरस दर अंतकसु मै भीइ दिज
पुन आस॥ तुरत तुरत सो सहचरी गई कु
वर के पास॥८४॥ चरणनाम॥ दोहा॥ चर
ण चलन गत बैत पुन पाद बरपद पाइ॥
पग बंदन क[illegible] कुवर कुं ठाडी भई लजाइ॥
८५॥ हस्त दीनाम॥ दोहा॥ पीता गोरा का
चनी रजनी पिंड नाम॥ हरद रंग जिम चू
न मिलति थे दखी वल वाम॥८६॥ क्रोध
नाम॥ दोहा॥ क्रोध कोप अमर्ष रूट रोष
षमनत नलोइ॥ तुव अंपत दिष कुवर कुं
तुरी सहचरी सोइ॥८७॥ नायका बोली
छेमनाम॥ दोहा॥ भद्र अरु एमै भद्र भव सिव
कुवसा कंल्यान॥ कित है कछु कुशल है पू
छत कुवर सुजान॥८८॥ सखी बोलीना
म नाम॥ दोहा॥ संछिप्त अक्षर हो गोचतो ना
म द्वै म को धाम॥ अमीव रस तो हृदय स
ते ते सब दरन काम॥८९॥ इस्त्री नाम॥ दोहा॥
इस्त्री नारी वनता वधु ललना जुवती
भाम॥ अबला बाला अंगना पुमदा कं

त्रींनाम॥८०॥ दोहरा॥ तूलीरमनीसुं अं
दरीतनीदरीबरनीहोइ॥ तीयतोसीत १०
हलोकमैऔरनदेखीकोइ॥८१॥ ब्रुह्म
नाम॥ दोहरा॥ विधवरंचवेधापिताधा
तासतधृतहोइ॥ सिष्टाकमलासनद्रुघि
बणविघनसंभुसोइ॥८२॥ दोहरा॥ दे
हणचतरमुखआतमभूपरमेष्ठीअ
गमाय॥ यहविधकेतुरचीसोविधम
ईश्वनवाय॥८३॥ युधिष्ठरनाम॥ दोहरा॥
धरमतातसेजातहैरिपगातीकुरराइ॥
न्रिपयुधिष्ठरसमकुवरतेरेसोतीइभा
इ॥८४॥ अरजननाम॥ दोहरा॥ जिसम
धनंजेबुजपुनफालगुनाकरीटीहरका॥
गुडाकेसगंडीवधरननरभीभतसअचू
क॥८५॥ दोहरा॥ पारथकपधुनसेतहै
मेधमपाडवनाम॥ अरजनजिमधर
धनखवधप्रेमअबधतूवाम॥८६॥
गंगानाम॥ दोहरा॥ बिसनपदीनिरर
रनदीसुरदीरघकाहोइ॥ मंदाकनीत्रि
पतगाआनसुतापुनसोइ॥८७॥ दोहरा॥
गंगाजिमजाजगतमैहरतहारसुव
कार॥ तिमतोहुकीरतसरतवरकैपु
नीतनरनार॥८८॥ सरीरनाम॥ दो
हरा॥ कायकलेवरकुणपवपदेहगात
मांग॥ विग्रहरूपघनसहनपुनधा
मसरीरपतंग॥८९॥ दोहरा॥ तोतन
समसरकरनकुकहतपुरखपोरान॥
सोवहनंदकिसोरवलकिउकीजेअ

पमान॥१००॥कमलनाम॥दोहा॥पुंडरीक
पुषरकमलजलजअंबुजअंभोज॥पं
कजसारसतामरसकुवलीकंजसरोज
॥१०१॥दोहा॥ऊतपलहरअरविंदपु
नपदमविधघ्रितानाम॥किअसुषनल
नमलनकहुदेषतरोवलजाम॥१०२॥चं
द्रमानाम॥दोहा॥इंदसुधानिधकलानि
धजलजजीवसससोम॥ससधरहिम
करनिसाकरकुवधवंधहिमरोम॥१०३॥
दोहा॥ससससंकम्रिगंकविधम्रिगवाह
नश्रीभ्रात॥द्विजपतनिसपतनिछत्रप
तअोषदपतनिजजात॥१०४॥दोहा॥चं
दकलाजिमवंदतेरहूतननिआरीके
इ॥तेहअवलोकतवालकोकहूवलक
रनकोइ॥१०५॥कामनाम॥दोहा॥मद
नमनोभवपंचसरकुसमसरासनसाय॥
मीनकेतकंदर्पहरदर्पकमनसिजहे
या॥१०६॥दोहा॥पुष्पचांपशंबरदल
नअतनपुष्पमननाम॥हठसठमकरं
ध्वजअात्मभूमारमनमथकाम॥१०७
॥दोहा॥रतिपतिअसररतजगतमैएवे
जीवपुरान॥ऐन्यारेजवदेषियेअुचर
जकुवरसुजान॥१०८॥मेघनाम॥दोहा॥
धाराधरजलधरजलधजगजीवन
जीमूत॥अब्रवलाहकपुरंदरकाम
कर्धूमसपूत॥१०९॥दोहा॥नीरदछीर
दअंबमयवारिदजलमुकनाम॥घन
तेविछुरीवीजरीइमदेषतवलजाम
॥११०॥वीजरीनाम॥दोहा॥छिनरुच

कदा अकारकी तदृत चपला होय॥ विनब
न दामन नाबने घन विन बनेन सोय॥११॥
सैना नाम॥ दोहा॥ पृतना ध्वजनी वाहि
नी चमू विरूथनी स्रैन॥ सैना विन न्रिप न
रबने न्रिप विन बनेन सैन॥१२॥ धनष ना
म॥ दोहा॥ धनको दंड इस्वासु पुन कर्म क
रिप संताप॥ चाप विना प रुचन कछु पत्र
च विना नहि चाप॥१३॥ भवर नाम॥ दोहा॥
मधकर मधलह मधप अल अलन सबी
मुष भृंग॥ चंचरीट ऐ संबहर कीला लप
सारंग॥१४॥ दोहा॥ षटपद इंदीवर भ
मर पुन द्विरेफ रस चोर॥ भमर विना केत
कन कछु केतक विन नह भौर॥१५॥ अम
रवेल नाम॥ दोहा॥ पुषपतामसरी वल्ल
री वल्ली लता प्रताना॥ अमर बेल जिम अम
र विन द्रुम रे षल तोह मान॥१६॥ सुहिद
नाम॥ दोहा॥ सुहिद सुमित्र वल्लभ सखा
प्रेम दयित सुजान॥ जैसे प्रिय सो जन मि
लेन कर अकारन मान॥१७॥ पुत्र नाम॥
दोहा॥ आत्मजा सुवन सुवन तनय तनं द
सुतात॥ नन घर नंदके नंदकु नकर गवे की
बात॥१८॥ मानुष नाम॥ दोहा॥ मानु
ष मरट मानुष नभ मानुज मनज पुरान॥
नर जिन जाको नंद कोई सर पुर्ष बुरान॥
१९॥ वेद नाम॥ दोहा॥ आम्नाय श्रुति
छंद श्रुव धरम मूल सब काम॥ निगम
अगम जाको कहै सो कहु सुंदर स्याम
॥२०॥ तपसी नाम॥ दोहा॥ करषिम

अं १२ कृकतपसी जती व्रती अवी मुनि आहि ॥ जो
गाहक गुन विमल कर बखानत है वलताहि
॥ २२ ॥ महादेव के नाम ॥ दोहा ॥ गंगाधर
हर शूलधर शशिधर संकर वाम ॥ शर्व ईसं
भु शिव भीम भव भर्ग भाम त्रियकाम ॥ २
२ ॥ दोहा ॥ त्रिनैन त्र्यंबक त्रिपुर असुर ईस उ
मापति होय ॥ जटी कपर्दी वृषभध्वज नत
डधर जटी सोय ॥ २३ ॥ दोहा ॥ उग्र विन
की भूपति पशुपति मुडीसान ॥ वामदेव
स देव वल जाको करत है ध्यान ॥ २४ ॥
शेस नाम ॥ दोहा ॥ शेष महा अहि सर्प पति
धरणी धर सु अनंत ॥ सहस वदन जे गु
ण गिनै तौ पियलहत न अंत ॥ २५ ॥ कुबे
र नाम ॥ दोहा ॥ पुन्य जनेश्वर नपस्व वन
धनद लीलव ल होय ॥ गुह्यकपति अं
बक सषा राजराज पुन सोय ॥ २६ ॥ दो
हा ॥ नरवाहन किंनर अधिप यसाधी
स कुमेर ॥ सो तौ पिय पद परस कू पावत
नाह सुबेर ॥ २७ ॥ वरण नाम ॥ दोहा ॥
वरण प्रचेता पाश पति अप यत जलचर
ईस ॥ सो तौ पिय के पदम पर वसत रैहत
नित सीस ॥ २८ ॥ धरम राज के नाम ॥ दो
हा ॥ वैवसतसी दंडधर नपति रवीसुत
सोय ॥ संजमीनी सुत महिष ध्वज समत
र पुन सोय ॥ २९ ॥ दोहा ॥ अंतक काल
किंतांत जम जग जाते डर पंत ॥ सो तौ पि
य भ्रसंगते घर हर रहे कंपंत ॥ ३० ॥ रा
क्षस नाम ॥ दोहा ॥ दानव दनुज दैस्यड

नसुर अलि अंबसर अंबुनेता॥ उडउड परेय श्री
तंग जिम कूर दीपक तो हकंत॥३१॥ ग १५
णेश नाम॥ दोहा॥ हेरंब मातर हर्ष सु
न लंबोदर इक दांत॥ मूषक वाहन गज
वदन गणपति गिरजा तात॥३२॥ दोहा
कोट विनायक जो लिखै महिसे कागत कोट
तोवी तेरे कंत के गुण आवै न ह टोटा॥३३॥
जन्म नाम॥ दोहा॥ भव उद्भव उद्भव जन्म
जन उत्पति है भाम॥ जन्म सफल तब ही स
मय भजीये सुंदर स्याम॥३४॥ नाइका बो
ली कपटी नाम॥ दोहा॥ वाजी जरूप ग कु
टल कहु छमी कतो छकली जा॥ कपटी
का नर कुवर की केती करत भली जा॥३
५॥ सखी बोली मृग नाम॥ दोहा॥ एण हि
रण पात पत्रबद हर कुरंग सारंगहि॥ लि
गसस कैसे डिगलिया बलपोरा ईतर
हा॥३६॥ पाप नाम॥ दोहा॥ ऐन कलमष
दुष्यत दुत अघ म मलीमस पंक॥ अघ
अमीक किलिमष कलुष असम समल
कलंक॥३७॥ दोहा॥ पाप महा बन
दहै न दन ताको रंचक नाम॥ ताको तुक
पटी कहत कहा कहा हो भाम॥३८॥ धू
ल नाम॥ दोहा॥ धूल धूसरी बेहरज
पांसु सर्व रा कंद॥ जा पद पंकज रैण कु
तर सत सनक सनंद॥३९॥ पाषाण
नाम॥ दोहा॥ ग्राव उपल पाषाण सि
ल अश्म गुन असम सुधार॥ पाहण पानी
मै तरे जाके नाम अधार॥४०॥ नौका
नाम॥ दोहा॥ उडप पोत नौका पल

अं
१५

वतरणीतर जल जान ॥ नाम नाव चढ़ि भव
उदधि कई तरत अंगियान ॥१४१॥ दोहरा ॥ रकतनाम
श्रोनत रकत क कूनपुन अरके आज छितजा
ता ॥ लहू विये तव पूतना पूतभई छोहगा
त ॥१४२॥ निसाचर नाम ॥ दोहरा ॥ कूनप
सुररिपु पुन्यजन नषका सुतकर वाघा ॥
कुवर असुर निशाचर जात धान दुर्नाद ॥
१४३ ॥ दोहरा ॥ अघसे राक्षस पतत की मे
देषी गत होत ॥ उलट समानी पीड मे प्र
गट जाकी जोत ॥१४४॥ कूठ नाम ॥ दोहरा ॥
मिथ्या मूढ़ म्रषा अनृत काथिय अलीक
नरंभ ॥ ऐसे विय प्रति कूठ वस क्यू न बोली
ये विरंभ ॥१४५॥ निकट नाम ॥ दोहरा ॥ अत
वारय अविदूर स्ट ऊप समीप अभराय ॥
अवस अनादर होइ जो रहै निरंतर पा
स ॥१४६॥ चंदन नाम ॥ दोहरा ॥ गंधसार
श्री षज सेरे मलीया भंड पटील ॥ चंदन
कोइ घन करे मलीया वासी भील ॥१४७
॥ मीन नाम ॥ दोहरा ॥ सफरी अन मिषम
प्रीया सतिम प्रथरोमा रुष मीन ॥ मकर उ
लपी उडे भव वैसारण पाठीन ॥१४८॥
दोहरा ॥ छीर समुद्र के वार विच रहत चं
द ढिग आइ ॥ चंद्रहमंदर जानई जल
चर मानस ताइ ॥१४९॥ सूर्ज नाम ॥ दोहरा
॥ सूर्ज दिवाकर विभाकर दिनकर भास
कर हंस ॥ मिहर तिमर हर सहसकर उ
स्न रस्मि तिरवंस ॥१५०॥ दोहरा ॥ विधुवि
रोचन विभावस मारतंड त्रयअंग ॥

दिनमणि द्युमणि तरणि तपन सवता सूर पतं
ग॥ ५१॥ दोहा॥ चित्रभान बोहु दान पुनबु
न भावन निव स्यापन॥ अंसुमान हरिभान
र वंश्व बरमन भगवान॥ ५२॥ दोहा॥ र
वि मंडल सम पुणत कुकहत पुरख पोरा
ना॥ सो वहु नर जिसार वल किहु की जेम्र
पमान॥ ५३॥ समुद्र नाम॥ दोहा॥ सि
धु सरत पत नीरनिधि अंबु नदी कुपार॥ ई
रावान अर्णव उदधि जलधि सागर पारावार॥
५४॥ दोहा॥ रत्नाकर गुण रूप को मोहन
गिरधर लाल॥ हिलमिल प्रेम किलोली
ये यि ऊन चोली ये वाल॥ ५५॥ वानर ना
म॥ दोहा॥ कप साखा म्रग वली मुख कीस
लवंग लंगूर॥ वानर कर वर नालियर
दियो विधाता कूर॥ ५६॥ बलभद्र ना
म॥ दोहा॥ संकर्षण बलभद्र बलि रोह
णइ बलराम॥ नीलांबर रेवतरमण मु
सली पाल क काम॥ ५७॥ दोहा॥ जमना
भेदी ताल ध्वज पर लंबन जै वैत॥ हर
हल धर के बीर कु किती बलि द्युपादत॥
॥ ५८॥ कठोर नाम॥ दोहा॥ ऊदासीन का
हल पुरख र ढाक ज्व श्रुव सील॥ ग्राम
वचन ते किहु कहे जिनके संड सील॥ ५
९॥ पृथवी नाम॥ दोहा॥ पृथवी छित
क्षोणी क्षमा धरनी धात्री गुज॥ उर्वी जिग
ती वसमती वसुधा सर्वसहज॥ ६०॥
दोहा॥ अचला विपला सागरा धरति
कासपी होइ॥ गोत्रा अवनी भूमि भर र

सभ्रंनंतासोइ॥६१॥दोहा॥महीमेदनीकुंजनी
इलाकहतपुनताहि॥वसुधरावसुधरणिघिरउ
र्वेराआहि॥६२॥दोहा॥सभधरजावेसीसउ
साहतपूकनसीर॥किधूआवेतोहजाषतरता
हलधरकेवीर॥६३॥तीरनाम॥दोहा॥बाण
तोमरजिरनागआसुगविसिषासषीमुखबा
ण॥कणमारगणनिराचइषपत्रीसोकहुप्रा
ण॥६४॥दोहा॥तीछणसायकआयलग॥
सिमटसरीरमिलाया॥वचनतीरकीपीरख
लमिटैनजोजुगपाया॥६५॥अग्निनाम॥
दोहा॥पावकवन्हैजलदहैनसिखीधँनंज
यहोय॥शुकऊषदपवनसखवीतहोत
पुनसोय॥६६॥दोहा॥जातवेदजलजो
नपुनहरिरिछिसाबदभान॥अनलविभ
वसधूमध्वजअमरजिह्वचित्रभान॥६७
॥दोहा॥अग्निदग्धजेद्रुमलताफिरफल
फूलसुदेह॥वचनदग्धजेताऊवलबोह
रनअंकुरलेह॥६८॥मूर्खनाम॥दोहा॥
मंदमूढजडमुग्धतमअज्ञकटकचदसंठ॥मू
रषजनजानेनहीमणिजैसेकपिकंठ॥६९॥
चतरनाम॥दोहा॥कृतीकुशालकोविद॥
कपुनछचप्रवीणनरतात॥पटविदग्ध
नागरचतरजानेरसकीवात॥७०॥अ
गणनाम॥दोहा॥अघअगासहेलनअ
हितश्रेगणजोकछुपीय॥कूपछाहजि
मराषीयेयूनभाषीयेतीय॥७१॥प्रेमना
म॥दोहा॥दोहदरायप्रणयसुहितहावरा
गअनराग॥कितागयेवहप्रेमतुमसुध
करहोवडभाग॥७२॥गिरनाम॥दोहा॥

अग नग भूभृत दरी भलअंगी सिषरी कूट।
सैल सिलो चुय गोत्र पुन अग्रि अचल सि
लजूट॥७३॥ दोहा॥ गिर गोधन जब बा
मकर धास्यो स्याम अभिराम॥ चहू घर घ
र तोहि लीये अजहू मिटत न भाम॥७४॥
सर्प नाम॥ दोहा॥ पंनग कुरग नाग भुजं
ग जिम्हग भोगी सर्प॥ चक्षु श्रवा हरि श्री
सर्प काकोदर गर दर्प॥७५॥ दोहा॥ आ
सी विष विषधर कली मली विलेशय व्या
ल॥ वज्री दर्वी गूढ़ पालेलहू केवल काल
॥७६॥ दुष नाम॥ दोहा॥ बाधा विधुर व्य
था दूर्व पटर अर्ति गंलान॥ अविजन वरसत
पीर वल किते सी षी यह वान॥७७॥ कान
न नाम॥ दोहा॥ कानन विपन अरैन्य वनर
हन कछु कांतार॥ सुखी मै इक लेद ई मोह
न नंदकुमार॥७८॥ कपोल नाम॥ दोहा॥
गंड कपोल सुगाल कर करहा लो करतीय॥
स्यिम फूदाम ब तुल के दिष संकत मो हीय॥
७९॥ राहु नाम॥ दोहा॥ संहिके य स्वर्भानत
म राहु विंडत तम भाय॥ चंद्र लेचंदमनंभुज
सुरूय राहू रसो हिंग आय॥८०॥ सायन
म॥ दोहा॥ निस मुष संध्या पत्र पुसुसायं
काल प्रदोष॥ सायपरी हैं चल लषो र छोर
छि माकर रोष॥८१॥ विषनाम॥ दोहा॥
गरल हला हल गर अमर कालकूट रस
मार॥ रस मै विष जन मो रवल चलि अवक
रन विचार॥८२॥ पपीहा नाम॥ दोहा॥
कालकूट दातूहू हर चात्रिक सारंग नाम॥
वन सूले पापी हरा नेहूवने वलजो कसा ८
३॥ संदर नाम॥ दोहा॥ सुंदर रवि अभि

अं
२८

राम अरु कांत कमर कमनीय॥ लोमर समवि रसद रसनीय रमनीय॥१८४॥ दोहा॥ सुचिर सुवेस सलष्ण घमयधमखिअपीचल सास॥ लोनो नंद किसोर वस कियो कीजे अुपमाल॥ मरूचंद्र के नाम॥ दोहा॥ मंजल मनुज मधुर ललित वलाम नो गप ऊदार॥ आजित मोहन नंद को संवर को आधार॥१८५॥ सुघर नाम॥ दोहा॥ धुवरा धुव वसमित नल राये अरथ सुअ ने ओक॥ धन ते तो बुज चंद को तेते नहति हि लोक॥१८६॥ नायका को ली वेश्या नाम॥ दोहा॥ दासी गनका कामनुका बलास संभली होय॥ रूपा जीवा कामकी पन अ जो खतासोय॥१८७॥ दोहा॥ वारवधू जग वल्लभा करूत पुंस्चली ताहू॥ मुहसे भार किये न वाल है ऊ हूं के ई वेस्या आहि॥१८८॥ सखी बोली पतिव्रिता नाम॥ दोहा॥ साध्वी सती मनस्वनी सुचचरिवा सुवती बापतव्रिता तो ह नाम ते होत जगत मै तीय॥१८९॥ पार्वती नाम॥ दोहा॥ ऊमा अपर्णा ईश्वरी गौरी गिरजा सोय॥ मृडा चंडका अंबिका भवा भवानी होय॥१९०॥ दोहा॥ अपर्णा मैनक आतमजा सर्व मंगला नाम॥ शिवा भई शिवकुरवसी तो ही जपज प नाम॥१९१॥ दया नाम॥ दोहा॥ मया दया कृपा घना अनुकंपा अकरोस॥ करुणा कर करुणानिधि राधे जिन करै रोस॥१९२॥ तलवार के नाम॥ दोहा॥ ईश्वर बी कृपाण असि मंडल चकर करवाल॥ खंग भिलो तेतो कहा घाय करत हो बाला॥१९३॥ रात के नाम॥ दोहा॥ छिन

दाहमातपंअनीतमीतमिस्याहोय॥निसहर्वि
रीविभावरीरजनीपुदाषासोया॥१९४॥दोह
॥सुषदसुहाईसरदकीकेसीजामिनआय॥
बीतेहैविनपतेचलसलागामोहवलाय॥
१९५॥नीवकेनाम॥दोहा॥निंवतिक्तुतन
कुजअवअरचअचवकरगीव॥दुषक
टहैवलजाऊयहसेंदरसुषकेहीवा॥१९
६॥अकासनाम॥दोहा॥अंवरपुषरवा
तनभअंतरिछघनवास॥व्योमअतवि
भासषीसुरवरतमअंकास॥१९७॥दो
हा॥गगनऊऊऊगनबनरहेचितपैत
जवलरोष॥देषोतेरारूपजनसुर
तीयकरतपरोष॥१९८॥नषनाम॥
दोहा॥करजपुनर्भवनषरनषरूरंग
भीनीभाम॥तवकीछितकूषूनतवलन
हिकछुनहसंकाम॥१९९॥घुघनाम॥
दोहा॥आयोघनरणअजमदअहि
दलसंघसमीक॥सापराइसंघरसम
रसंजुगबहुलअनीक॥२००॥सुरत
जुध्यजवपीयसोतोयहूपघेगोभाम॥
नषनाराचनविनकवरकरहैकहा
घुणाम॥२०१॥दोहा॥अपलतुछव
लहजुमतननिपटकिसोदरतोर॥कि
हवलिऐतोमानसजरापोहैकिहओ
र॥२०२॥मकरीनाम॥दोहा॥तुलाभ
त्रामर्कटीऊर्णनाभिपुनिआहि॥जनके
मकरीगुनकियेपकरीविध्याताहा॥२
०३॥मार्गनाम॥दोहा॥अध्वामसस
लीपथपदवीसंचरहारा॥मगदेषकई

अ॰ है दई मोहन नंद कुमार ॥२४॥ नदी नाम ॥ दोहा ॥
२१ स्रोता आपगा ती निम्नगा आपगा रका होय ॥ स
रता धुनी तरंगनी तरनी आरदनी सोय ॥ २
५ ॥ दोहा ॥ सैवलनी स्रोता स्वनी दीपवती ज
ल माल ॥ नदी नही कोउ वाट मे सो वकहा
है वाल ॥ २६ ॥ छोटे भाई के नाम ॥ दोहा ॥
अवरज अनुज संसाभिको ओबिक निछक
मनीया ॥ लघु भैया की सो हत तहि कि कहु बल
का तर होय ॥ २७ ॥ पिता के नाम ॥ दोहा ॥
तात जनक सब ता पिता बाबा सो श्रुत काम
। तो पहले नंद लाल के दत हुती है भाम ॥ २
८ ॥ विवाह नाम ॥ दोहा ॥ परन निवेसर
परिनय पन उपयम ओन विवाह ॥ सात भ
ई ते ऊ ने न दुख जुत जोन तर देती उछना
ह ॥ २९ ॥ नायका बोली मधरा नाम ॥ दो
हा ॥ मधमाधी मदरा सुरा और वारुणी हैव ॥
आसव मै कादंबरी मधवा री मरव ॥ ३० ॥ दो
हा ॥ सिधु पुसी नाम छ्या हाला सिद पुस हू
ता मदपी ये जु वक तहै कहा व किते हैं हूत ॥
३१ ॥ सखी बोली प्राकृत नाम ॥ दोहा ॥ प्रा
कृति निसर्ग सहज अनुज विष्य अरु खली
ल सुभाव ॥ कवन टेव टेढ़ी परत संदरस
कल करूप ॥ ३२ ॥ श्रुति नाम ॥ भर श्रा श्रु
ति श्रव य श्रुति वे लिश्रु लि श्रुदक अतं तनि
तंत ॥ स्मृति सर्व त्र भली न हीक रु गये संत
अनंत ॥ ३३ ॥ वृक्ष नाम ॥ दोहा ॥ साखा
विटपी अनुग कह कुज द्रुम पादप हो
य ॥ बिरहु दली अ बी फली अनभ घरा
रह सोय ॥ ३४ ॥ दोहा ॥ अलि पत तर
पत तर तरे अलप कल्प से जात ॥ इति

त्रिय प्यारी प्रीतमा सुद्येकरतन्नवात ॥२१५॥
पातनाम ॥ दोहा ॥ पर्ण पत्र दल बिरह छद
रबक षरकत पात ॥ तोहु आगम भुमचक
तहै उड उड उड़ लागो जात ॥२१६॥ दिसा
नाम ॥ दोहा ॥ कंन्या काष्ठा गो ककुहत आस
कुकभ कहंत ॥ तवके दर्यो वहु आरबल चि
तवत है है कंत ॥२१७॥ पवन नाम ॥ दोहा ॥
सोमस रुतमर्त हरआ सुग जगतपरान ॥
अनल प्रभंजन गंधवह नभसि यन पव
मान ॥२१८॥ दोहा ॥ तोतन परमल लै
भुवन गवन त धारसमीर ॥ ताकू वहु सन
मान कर परिरंभत बलबीर ॥२१९॥ श
ब्द नाम ॥ दोहा ॥ नादु निनरद नस्वन मु
षर अतर विषक कलराव ॥ वै मुरली मै
कहत है है प्राणेश्वरी आव ॥२२०॥ दुष्य
नाम ॥ दोहा ॥ च घरक दएरिपहूत नद ग्र
हेनव अनअघ नाम ॥ दुष जिनके अघग
मन कर नहु कछु नहि वलजाम ॥२२१॥
पुंज नाम ॥ दोहा ॥ असम कुलिस निर्घात
पव वज्र सुतरी नाहु ॥ परे जु राके धाम पर
सुचि रसकरे रसमाहु ॥२२२॥ सुकच नाम
॥ दोहा ॥ हीलंज्या मद तिपस कुच सकच
त कू बिनका जा ॥ चलबल प्यारे पीय मि
ल आबर बात लजात ॥२२३॥ समूह
नाम ॥ दोहा ॥ समुद समुह समूह गणप
कर निकर निकरंब ॥ पव र पुंज अबुज अपट
ल चय संचय निम्सु यकंदब ॥२२४॥ दो
हा ॥ विस्तंभ सघा भु आव प्रात घन
जात ॥ चकत अवंत स समाजत तताम
याम स बात ॥२२५॥ दोहा ॥ के दल जा

अं लवलापकुलसवारअनीकसुवृंद।।वोलतक
२३ हीमैबातयेभईतवकीवृंद।।२२६।।अनुज्ञाना
म।।दोहा।।वियअग्यादेसनिदेस।।पुनअनुज्ञास्या
ममनोज्ञ।।अग्यासस हो वलजाऊअवसलेहुपी
तलहलोज्ञ।।२२७।।तुछनाम।।दोहा।।दर्शी
ताकईषयअल्पधीरसमुड्रमनाक।।त
वसषितनमुरंगढ़रमुसकीकुकरतना
का।।२२८।।हियभायनाम।।दोहा।।वेताल
वआवससबीपायोहियकेभाया।।धाय
पगनपरविनयकरभुजभरलईउठाय।।
२२९।।पनहीनाम।।दोहा।।पदत्राणपद
पीठसुरपनहीउपरीजराया।।पनहीमन
हीभावतीअग्रधरीबनाया।।२३०।।उजु
धामनाम।।दोहा।।सोधहर्म्यप्रसाददैव १जल
लीउअतगतिमंद।।उजलसंधरतेघर
निआवतमानोचंद।।२३१।।चांदनीनाम।
दोहा।।ओदसाकमोदनीचंद्रकामकरम
रीचीनाम।।ओर्ज्रपोहुपसरतयाममैयो
रोहसबलजामा।।२३२।।वीथीनाम।।दो
हा।।रथ्यावीथीवीथिकापथप्रतोलीअ
ग्र।।गलीगलीनिरंगरलीचलीधोसी
लेताइ।।२३३।।अंधिकारनाम।।दोहा।।
अंधतमिस्रततिमरतमध्वांतुककोह
रनिहार।।तिमरदेमनमांझकेवदन
चंदउज्यार।।२३४।।बागनाम।।दो
हा।।कृतमवनउद्यानपुनउपवकान
नआराम।।यहवलतेरोबागजिहमा
लनवृंदनाम।।२३५।।वसंतनाम।।
दोहा।।कुंसमाकरऋतपतसरम्यका

मसबामधुनाम॥नितवसंतजिह देखिय
ततोष्रुताधतेवाम॥२३६॥पंछीनाम॥दो
हा॥द्विजसंकुतपंछीशकुनअंडजविहं
गविहंग॥विषगयतत्रीपत्ररथपंत्री
खगाघतंग॥२३७॥दोहा॥खगठाडेचे
लेजोचलकोमलकंठसुजात॥तोआ
गमजनमुदतडुमकरतपरस्परबा
त॥२३८॥पीपलनाम॥दोहा॥चलदल
पीपलगजअसनबोद्रावद्रुअस्वथ॥पी
पलदेवलदाहनेकोहकरचलघरमथ
॥२३९॥ ॥अंब्रनाम॥दोहा॥पिकवल्लभकामांग
पुनमुडमलसहकार॥यहरसालफल
भारदिषजनितोहकरतजुहार॥२४०॥
महुवानाम॥दोहा॥माधवमधडुममध
स्रवामधवहैलगुडफूल॥पामधकीअ
लाकलाषकहुतोहकेंठनतूल॥२४१॥
अनारनाम॥दोहा॥रक्तबीजदाड़िमक
नकशुकप्रियकोदममार॥ऐदाड़मकु
नदेषचलकहुतोहदशनअकार॥२४
२॥चंपानाम॥दोहा॥चंपाचापीसुरभप
लहेमपुषसुकमार॥इतिचंपाचापर
तचलहियेपोहपअपहार॥२४३॥
श्रीफलनाम॥दोहा॥सुरिभसलोबील
दाफलतालवेलमालूर॥ऐश्रीफल
तोहकुचनसमकहैतबोहतकविकूर॥
२४४॥तमालनाम॥दोहा॥कालगंध
तापछपुनतंदुकयहजुरमाल॥जातर
वेठकालहुबलतुमअरमोहनलाल॥
२४५॥धतूरेकेनाम॥कनकधूरतउन्म
तपुनकरकधर्तूरातूर॥यहब

बापे बोरा

अं
२५

इईतजिनकोहचलवलहूर॥२४६॥ कदम
केनाम॥दोहा॥ नियप्रयकअव कूलपुनम
दिरगंधसुकुमार॥इहकंदवहयकंध्ववलभ
रदिषअनतोहकरतजुहार॥२४७॥ पला
सनाम॥दोहा॥ कात पोपपुनचुलडुमविं
सुकवर्ण पलास॥केसूविरहीजनकहूनाह
रनहरविलास॥२४८॥ वहेड़ा नाम॥दोहा॥
अष्टिवभृत पुनकर्वफलसवर्तेकवलवहूना॥
भृता वासव हंड यह कहू जिन चल मिगअं
त्रा॥२४९॥ कवचनाम॥दोहा॥ कूलवंतु
का कपिलता विसरसुतसीनाम॥ अंगक
रतहै कंडयहकोचनकोहवलजाम॥२
५०॥ सुपारीकेनाम॥दोहा॥ घोटाकुमगा
वाघपुनपुंगसुपारीनाम॥वारवारयोक
हतहैनैककहोवलजाम॥२५१॥ नारियर
नाम॥दोहा॥ चारमुखलागुरपुननालि
केरसुभनाम॥नारमयाकर देखवलऐ
सभकरतप्रणाम॥२५२॥ मिर्चनाम॥दो
हा॥ तिक्तऊखिताकूलका कृष्णलफल
पुननाम॥मिरचलता पापरकोहभली
करीवलजाम॥२५३॥ सुंठनाम॥दोहा॥
विश्वानागरीजगभवकमहूआवधीना
म॥यहसुंठीकरओरके पकवान परतव
लजाम॥२५४॥ पीपलनाम॥दोहा॥
कूला कृषला मागधी तिगमत हूलाहे
य॥ वोधी पुन सियाभाकनासुंठीकहीये
सोय॥२५५॥दोहा॥ वलदत पी पलपा
गहै कहू वोहत परकार॥अवतै भली
करीकुवर पीतमप्राणअधार॥२५६॥

हरड़े नाम॥ दोहा॥ अभया पथ्या अम्लवय
अंम्रत चेतक होय॥ कायस्था इऊड पूतना
शिवा सब ही सोय॥ २५७॥ दोहा॥ यह हरी
तकी पा परे हरे कफ रक्त के रोग॥ बार बार यो
कहत है करी कुबर रस जोग॥ २५८॥ आम
ले के नाम॥ दोहा॥ सुख राटी न ही मनक पू
तं दर पर वार॥ यह बिडम पापरि कहे मे
वल वल इह कारा॥ २५९॥ बेड़ा नाम॥
दोहा॥ स्वादी मद काम द रसा कालमेख
ला होय॥ गेंज पुपाला कासनी चार क
ला पुन सोय॥ २६०॥ दोहा॥ कहु द्वा यह
बल यो परे रेचक यह तन चाइ॥ पहन क
टी सी वाल सी निपट रसी ली आइ॥ २६१॥
केसर नाम॥ दोहा॥ कास मारी कुंकम रुधि
र दुवा वल्हभा नाम॥ केसर रंग भर कह
त है॥ मोहन कै कहा ते बल जाय॥ २६२॥
सोनजुही के नाम॥ दोहा॥ हरणी गणका
यूथका हेम पुष्पका चाप॥ ऐरु गुथी युथी
सुमण वाढी लेत बुलाय॥ २६३॥ माल
ती नाम॥ दोहा॥ सुमना जाती मंलका उ
सगंधा होय॥ अगुष्ठा प्रियवास नीर ज
पुष्पका सोय॥ २६४॥ दोहा॥ यह माल
त बल पा परे पोह पहंडहै जास॥ हमे श्रु
प चोगन भई तेरोदर सब कास॥ २६५॥
माघी नाम॥ दोहा॥ माघी कुंद पगन परे
हरे चल पर घाइ॥ याकी कल जन मे
कहु तो हद सन की छाइ॥ २६६॥ चिरम
टी नाम॥ दोहा॥ काल चुंच गुन कहत है
गुंजा करत प्रमाण॥ कृष्णल कहत सुष

नाअरथअवतअहासोहंछंद॥सोअनेकाअरथ
कोवरणउकुनायोनंद॥४॥गोशब्द॥गोइंद्रीगि
वाअकअसलंखगोवजुबगवेद॥गोघरगोकर
गोकिरणगोपालकगोविंद॥५॥सुरभीशब्द॥
सुरभीचंदनसुरभमृगसुरभिवोहुरवसंत॥
सुरभिचरावतवेसमोजोजगकरताकेत॥
॥६॥मधुशब्द॥मधवसंतमधुचैत्रअलम
धुमधरामकरंद॥मधनभमधपेयमधस्ल
धमधसूदनगोविंद॥७॥कलिशब्द॥कलि
कलेसकलिसुरमाकलिनिषंगसंग्राम॥
कलिकलियुगमैआरनहकेवलकेसोना
म॥८॥आतमानाम॥मनिबुधचित्रसुभाव
तनधर्मजीवहंकार॥एकहीयेसभआत
मापरमात्माआधार॥९॥धनंजयशब्द॥
अग्निधनंजयकलतकवविपनधनंजपगु
या॥अरजनवाहरधनंजयत्रिसमुआर
थीन्या॥१०॥अर्जुनशब्द॥सहसबाहुअ
र्जुनकह्यो॥अर्जुनपाडवसोइ॥अर्जुनद्रुम
अर्जुनधवलअर्जुनकेचनहोइ॥११॥प
त्रशब्द॥पर्णपंत्रअरुपत्ररथवाहनपत्रि
सुचित्र॥पत्रपेबविधनादियेऊडिऊडि
मिलतेमित्र॥१२॥पंछीशब्द॥पंछीतरपं
छीकमलपंछीबहुर॥विहंगा॥पंछीसरकर
चिचजिमइमसेचहुनवरंगा॥१३॥कामश
ब्द॥कामकाजजिमभूलमनभाजियेप्रभ
निससयाम॥कामभोगअभिलाषपुनम
नयकहियेकाम॥१४॥बरहीशब्द॥ब
रहीद्रुमबरहीमृगबरहीकुकटनाम॥
बरहीमोरकिशोरकेधरेचंदसिरस्याम

॥२५॥भवशब्द॥भवसंकरसंसारभवभव
कहीयेकल्याना॥भवजनमजगसुफलजे
तवभजीयेभगवान॥२६॥वामशब्द॥वा
मकुटीअरवामसिववामकामकरवामा॥
धाममनोहरकूकहतहैसेसुंदरस्याम॥२७॥
कंशब्द॥कंसुखकंजलकंअनलकंसिर
कंपुनकाम॥कंकंचनसोप्रीतजसअसि
कहीयेहरिनाम॥२८॥बंमनशब्द॥बंम
नबंगृहबंनबतबंधुकोनाम॥बंदं
डीदुखदेतहैदयाकेरोहरिस्याम॥२९॥
कलपशब्द॥कलपदोविसचिघकहत
कविकलसमरेपजूहोइ॥कपटकल
पतजहरभजोकलपवृक्षसमसोइ॥
३०॥करशब्द॥करगजकूअरहैलक
रकरकहियेपुनदाम॥करविवसमत
जविषवरसभजीयेहीअमीधाम॥३
१॥दरशब्द॥दरजुकहतकचीसबको
दरईरषाकोनाम॥दरऊरतेरषहु
कुवरगिरधरसंदरस्याम॥३२॥वर
शब्द॥वरसंदरवरसेषपुनवरजेदेव
तादेत॥वरहूसेजोकामनितव्रिजनती
यमनहरलेत॥३३॥वृषशब्द॥वृ
षसुरअरविषकरनसुतवृषगोसु
तकोनाम॥वृषजोधरमकरिहरभ
जेजोचाहेसुखधाम॥३४॥पतंगश
ब्द॥तरणपतंगपतंगखगपावक
पहुरपतंग॥सभजगरंगपतंगको

अं
३१ हरियेकेनवरंग॥२५॥दलशब्द॥दलक
हीयेत्रिवकोकटकदलपत्रनकोनाम॥द
लविरविरहीकेवेवलिरघेरस्यामअभ
राम॥२६॥पलशब्द॥पलआमिषकूक
हतहैपटकसासपलहोय॥पलजूवह
रविविचपरेगोपनपुगसमहोय॥२
७॥वलशब्द॥वलविरहीवलगूजरी
वलत्रिपदलकोनाम॥वलसाहिसव
लदैसपुनवलकहीयेचलराम॥२८॥
अलिशब्द॥अलिजूआतमरथसम
रीवलिअलिपूरनकेनाम॥अलअभ
रनअंतिसुरतभजमनमोहनस्याम॥२
९॥वयशब्द॥वयविहंगकूकहतकवि
वयकहीयेपुनकाल॥वयजुवहिकम
आसहैजीवजीवनंदलाल॥३०॥जी
वशब्द॥जीवबृहस्पतकोकहतजीव
कहावेचंद॥जीवआतमानितजोजी
वजीवनंदनंद॥३१॥मारशब्द॥मा
रिदाढ़मीमारविषमारकहुवेकाम॥
मारमाचतेजववचेजपेस्यामअभिरा
म॥३२॥सारशब्द॥सारधीरजअरु
सारबलवोहरकूप्यारससार॥सार
कहतपुनवीरजकूधर्मसारसंसार॥
३३॥कलभशब्द॥कलभकहीजेग
जसुमनकलभवोहरअतालु॥कलभ
कलुषकलिकालतेकाढ़ेकिसगोपा
ल॥३४॥नभशब्द॥नभआग्रसनभभा
दुपदनभसावननकोमास॥नभअंकास
नभकटकहीघटघटरामनिवास॥३५॥
वसुशब्द॥अष्टअमरवसवसुविवस

ंबसकिरणवसतनीरा॥बसघनसोईजग
तमैघनजोकेवलचीरा॥३६॥पदुशब्द॥
पदुतीछनकूकहतहैपटुआरोगकहत॥
पदुप्रवीणसोजगतमैरहेजुकमलनि
कंत॥३७॥तुरंगशब्द॥गढ़लतुरंगतुरं
गमनकोहरतुरंगतुरंगा॥हरणकुरंग
कुरंगसोइरंगणहरिरसरंग॥३८॥आ
लाजाशब्द॥आलमजोकहियहुघरकोआल
योकहीयेकाम॥आलसजोपुत्रसजुसोईभजे
नसंदरस्याम॥३९॥कबंधशब्द॥बिनसिर
कहैतकबंधहैकबंधपुननीरा॥राहुस
रेकबंधहैतिहजगतदीनीरघुबीरा॥
४०॥हंसशब्द॥हंसतुरंगतुरंगरविहंस
मरालमुकुंद॥हंसजीवकूकहतहैपरम
हंसगोविंद॥४१॥बाणशब्द॥बाणक
हावबलितिनयविसबआरुपुनबाण॥
बाणकहितकबिस्वर्गकोश्रीहरपदनिर
बाण॥४२॥विद्याधरशब्द॥मेघअरुक
कुचसैलपुनऐजविद्याधरआहि॥मं
दरगिरमेघधरतपवनमंदरआदबराह॥४
३॥वरणशब्द॥वरणकहतपुननीरकूवर
णस्यामकोनाम॥वहणरूरेजवनद
तबवैसधायेस्याम॥४४॥गोत्रशब्द॥
गोत्रनामकूकहैतकबगोत्रशैलसुनयं
त॥गोत्रवंसजोधनेजयगोविंदसुनमु
नयंत॥४५॥तनशब्द॥तनसरीरविस्ता
रतनतनअरकूकमतात॥तनविर
लोकेजगतमैजानेहरिरसबात॥४६॥
बालशब्द॥बालसिरोरहबालशसि

अ
२२
मूकक हते बाला॥बाल भ्रात सुग्रीव को गति
दीनी नंदलाला॥४७॥जाल शब्द॥जाल झ
रोखा जाल गवन जाल दंभ अरु मंद॥जाल
भगर विद्या जगत निरख भूल जिह नंद॥
४८॥काल शब्द॥काल असित अरु काल वै
य धरमराज पुन काल॥काल विआल के
ताल हर मोहन नंद गोपाल॥४९॥ताल
शब्द॥ताल ताल हर ताल पुन करज स्या
ल न ताल॥ताल विंछ फल बाई ये हते जे
नंद के लाल॥५०॥जलज शब्द॥जल
ज मीन मोती जलज जलज संख पुन चं
द॥जलज कमल ते फेर ते ब्रिज आवत
नंद नंद॥५१॥ब्याल शब्द॥ब्याल क्रूर नर
ब्याल गज ब्याल सरप तज ब्याल॥ब्या
ल सरप सिर चढ़ नचे नटवर वर गोपा
ल॥५२॥तम शब्द॥तम तामिस तम राहु
गुण तम ज्युति मरत तम क्रोध॥तम अ
ज्ञान कु हरो हर उरधर दीप सुबोध॥
५३॥गुण शब्द॥गुण राजस गुण सेत
पुन गुण कोदंड की जेह॥गुण चरित्र गो
विंद के गावहु भरि ये नेह॥५४॥छवि श
ब्द॥छवि वपु रवत छवि मे बहुन छवि सव
ता को नाम॥छवि विरचक सव जगत मै
ऐके सुंदर स्याम॥५५॥वन शब्द॥वन
वानी कूक हित क बिव नवां दर के जाल॥
वन कानन ते सुरभि संग आवत मदन
गोपाल॥५६॥घन शब्द॥घन दिढ़ घन
विसतार पुन घन जिह घरत लोहारा
घन अंबुद घन सगन पे बिद घन नंदकु
मारा॥५७॥वरण शब्द॥वरण अरु स्त

अहवरण अवरण द्विजाकर चारा॥ वरण असु
रण सित पीत पुन अवर भये जु सुरारा॥
५८॥ पात शबद॥ पातक हवे निपट सस
पात्र जु पात्र अनूप॥ पात्र नाव चढ जल
जमै त्रिप्र नाम सुब नृपा॥ ५९॥ बुंधर
शबद॥ बुधपंडत कूकर तत्कव बुधसा त्रज
व बाना॥ बुध हर को अवतार इक बोध
भये है गियान॥ ६०॥ अनंत शबद॥ गग
न अनंत अनंत कव बोहर अनंत अले
क॥ शेष अनंत गिने शाभी हर अनंत
उर इक॥ ६१॥ त्रय शबद॥ त्रय निवंस
कूकहत कव अर त्रैकह हिय ये राग॥ त्रय
पुलेम धहर विवली नहा तस वलाग
॥ ६२॥ जीव शबद॥ राजिव सस राजीव
कमल राजीव मुकता मीन॥ राजिव
नाव गोविंद से जे हविधसअल धीन
॥ ६३॥ लोक शबद॥ लोक व्याकरणलो
क जन लोक देह रसमूल॥ तीन लो
क सुत उधर मै रहा जे सोमत भूल॥
६४॥ अक्रू शबद॥ अक्रू वीर्ज औगणपु
न अक्रू जे नर को मास॥ अक्रू अजन हुवा
वन हि वृितव लिहित मरत उसास॥
६५॥ खग शबद॥ खग नर विरखग ससि
खग पवन खग घन षपुन वाण॥ ख
ग विहंग पुन देवता मन सव खगन
हअवाल॥ ६६॥ कपाल शबद॥ कुण
कुपाल तन नीर पुन अमरण आहुक
लाप॥ वरसी चर कलाप जगहरको
नाम अलाप॥ ६७॥ बूम शबद॥ बूंम

अं
३५

ब्रह्म कुल ब्रह्म विद्य ब्रह्म देव अरु जीव ॥
ब्रह्म नंद के सदन मै ता कू निचावत तीव ॥
६८ ॥ ऊडिप शब्द ॥ ऊडप विहंग गरूड
पनग षत ऊडप कहत मलार ॥ ऊडप
चंदन मकी ऊडप ऊडप जहाज रलव
रार ॥ ६९ ॥ मंद शब्द ॥ मंद सनीचर
मंद बलम मंद अलप अरु मंद ॥ मंद
मूढ़ नर ते जुगत ते नम जे नंदनंद ॥ ७० ॥
वारण शब्द ॥ वारण कहिये वरज वे
वारण पुन संनाह ॥ वारण गज हर
करण ह्ला अरु नगह जेव याह ॥ ७१ ॥
स्यंदन शब्द ॥ संदन अलकू कहत क
वि स्यंदन चितता रंग ॥ स्यंदन रथ
कू स्याम नीले अरु इ श्री रंग ॥ ७२ ॥ पं
षी शब्द ॥ पंषी शालि पंषी मदन पं
षी ग्राह ब्रचंड ॥ पंषी व हूरा राड जो
हू रिकी ना विवखंड ॥ ७३ ॥ कोशिक
शब्द ॥ कोशिक कूल विहंग इक कोशिक
ग्रगल नाम ॥ कोशिक विस्वामित्र मिमर
वेअर वरन नाम ॥ ७४ ॥ पुष्कर शब्द ॥
पुषर जल पुषर कमल पुषर हस्त डिंगि
ंद ॥ पुषर तीरथ पाव हूर पुषर ना
म गुविंद ॥ ७५ ॥ अंबर शब्द ॥ अंबर
अमृत कूं कहत अंबर गगन सुभाया ॥
अंबर पीत जु स्याम तन रल्योम नोजु
लु भाया ॥ ७६ ॥ शंवर शब्द ॥ शंवर ज
ल सचर अनल संवर सैल अनूप ॥ सं
वर नाघे मा हति हहि लस नाम सुष

हाय॥७७॥केवल शब्द॥केवल मोकु
लकू कहत केवल जल परवाह॥के
वल धेन चराव तो छाया जग को नाह
॥७८॥नग शब्द॥नग रतन कू कहत तस
भी नग रत न नग ग्राम॥नग गिर जो के
का कू नाग र नग धर नाम॥७९॥ना
ग शब्द॥नाग पतंग कहत नाग गज नाग
दुख वर वाम॥नाग सरप संसार कू
सिद्धि मंत्र है नाम॥८०॥करण शब्द॥
कर्ण कहत वेवरत पन कर्ण कहत वे कान॥
कर्ण नाव जिह खेइये कर्ण धार भग
वान॥८१॥द्विज शब्द॥द्विज पंछी
कूं कहत कवि द्विज कहीयत पुन दंत॥
तीन वरन द्विज तव भले जव जानें भ
गवंत॥८२॥अग्रज शब्द॥अग्रज वक
राग्रज पितामह अग्रज कहीयत पुन ई
स॥अग्रज मोवन अग्र भरन कहत अग्र
ज के जगदीस॥८३॥शिव शब्द॥
शिव सुख शिव कल्याण पुन श्रेय सु
ख शिव हाय॥शिव शंकर शिव स
लिल पुन हर करुसदा शिव हाय॥८४
॥विरोचन शब्द॥वह्नि विरोचन सूर्य
पुन चंद विरोचन गात॥देस विरोच
न धंस्म साइ जो केवल सम्रात॥८५॥
वलि शब्द॥वल विरही वल गुजरी
वलि मोजन वलि भाग॥वलि राजा
के जाउ वलि मोतिय हर अघ नरान॥
८६॥वक शब्द॥वक पाव क कूंव

हतकवबकभिइन्हाके नाम॥बकदानवब
कदलदलनरावसंदरस्याम॥८७॥र
जशब्द॥रजरजसञ्जोरकररजरजु
वतीनमेलया॥रजधूरीरजपापकोह
रिनिरमलरसधाय॥८८॥कुशशब्द॥
कुसीताकुतदरभसुतकुशाकहियपुना
नीरा॥कुसकहुनाहीजगतमेजपतेग
तरघवीर॥८९॥कंभशब्द॥कंभसब
सोकंभगजकेकंवइभकोनाम॥भवनग
गनसोभवनजलत्रिभवननाईकस्या
मा॥९०॥कूटशब्द॥कूटवहुतसोकू
टगिरश्रृहरनकूटकहंत॥कूटकपट
कोनिपटतजभजमनश्रीभगवंत॥
९१॥बरशब्द॥बरराज्ञसबरसान
पुनबरतीहुनविख्यात॥बरगारघव
हैसोजगतमैजेहननवधरसकात॥
९२॥हरणीशब्द॥हरनीपुतमाह
मकीहरणीम्रगकीतीय॥हरणीजे
पीतासकीफलमालहरहीय॥९३॥
कुंजरमशब्द॥कुंजमंगलकुजंत्रे
लदुमकुंजभामासरनाम॥जमजम
सुगजमराजकेरावसंडस्याम॥९
४॥धात्रीशब्द॥धात्रीकहतेसुवल
धात्रीधायवखान॥धात्रीधरनीसर
सपरसाहितितिलपरमान॥९५॥र
सनाशब्द॥रसनाकाचीकहतकविर
सनावहुरेदाम॥रसनाशिवासोवह
रटतरहेहरिनाम॥९६॥शिवाशब्द॥
शिवाशंभवीसंदरीशिवास्यालकी

मान॥१०७॥जिह्वशब्द॥जिह्वाअलस
करवरतनूजिह्वकहावेमूड़॥जिह्वक
पटतजहरभजोघटघटप्रघटनमूड़
॥१०८॥हस्तशब्द॥हस्तकहतगजसु
डकोहस्तनषततरभाइ॥हस्ताघते
डारजिननरहीरातनपाइ॥१०९॥
कृतांतशब्द॥आगममनहितातपुनपुन
कृतांतसिधांत॥जमकृतांतकेतासतेता
कोकमलाकांत॥११०॥मित्रशब्द॥मि
त्रभानकूकहतकविमित्रअगनकोना
म॥मित्रमीतसबजगतमैऐकसर
रस्याम॥१११॥खगशब्द॥खगससहे
गजगगनगिरकेहरकूंअकुरंग॥चा
त्रिकदादरदीपअलऐकहीयेसारं
ग॥११२॥हरिशब्द॥इंद्रचंद्रस्वरविं
दअलिकपिकेहरकक्यान॥कंचनक
ककुरंगघनकुंदननभान॥११३॥
पानीपावकपवनपैगजगिरनगरदेनि
रंद॥ऐहरिइतनेमुकटमणिहरिग
रगोविंद॥११४॥ध्रुवशब्द॥ध्रुवनि
ध्रुववसमितेवलध्रुववकध्रुवताल
॥ध्रुवतारेजिमअटलतेगुनहेत्रैगु
णमोल॥११५॥सुमनशब्द॥सुमन
सुसरसुमनसुरूपसुमनकोहरवसंत
॥सुमनसजेजिनमनवसेकोमलकम
लाकंत॥११६॥विटपशब्द॥विटप
स्लिगपंलभविटपविटपकहतविस
तार॥विटपवृक्षकीडारगहहाड़े

भाम॥शिवावालकीहरडहैअेहरअे
अष्टहरनाम॥९७॥रंभाशब्द॥रंभाहैइ
न्द्रअपसरारंभाकदलीनाम॥रंभागाकल
गाइधुनजिनमोहेअजबाम॥९८॥माया
शब्द॥मायाछलमायादयामायानेहक
हत॥मायामाहैनलालकीजिनमोहस
भजत॥९९॥वारुणीशब्द॥गजगतिक
हीयेवारुणीसुरावारुणीनाम॥पश्चिमदि
शापुनवारुणीवरुणवशएहनाम॥१००
॥इलाशब्द॥ईलामहीवुधतीयईला
ईलाहूमाअग्ननाम॥ईलासारसुतीत
मलीजोमैहरिकोनाम॥१०१॥जोति
शब्द॥जोतिनषतगनजोतदुतजोत
नेत्रसुहिअगा॥जोतबुझनघरनंदके
रहेसुअलदहिलाग॥१०२॥सुमन
शब्द॥सुमनाकहतमालतीसुमनासुर
तातीया॥सुमनारतिसोकानहैकरलेहंस
पटतीय॥१०३॥ईडाशब्द॥ईडाकह
तनमदेवताईडाभूमअभिनाम॥ईड़ा
अवकामातमोहरसदीजेहरिनाम
॥१०४॥रसशब्द॥रसजलरसविष
कांपयरसरसपारदपुनहैताय॥रससं
गाररागडकीननवरसमैहररसहैता
य॥१०५॥निशाअज्ञाशब्द॥निशाजा
मनीकूंकहतनिसाहरिद्रानाम॥अ
ज्ञाछागमायाअज्ञाजिनमोहेअजवा
मा॥१०६॥विधिशब्द॥विधवेधा
विधदेवमुनविधकहियेजुविन॥वि
धकेविधजोविधारचीसोइविधपर

नंदकुमार॥११७॥दानशब्द॥दान
दिजनकूदीजीतिगजमघकहीदेदा
न॥दानसावरोलेतवनगोरीवरम
निधान॥११८॥गोरीशब्द॥गोरीवर
स्ताजुतीयगोरीहरतीयहोइ॥गोरी
सतीव्रतब्रितावहरहरिद्रासोइ॥११
९॥स्यामाशब्द॥स्यामाजुवतीरज
सला॥स्यामारतपुनहोइ॥स्यामापी
पलकूंकहतस्यामारतपुनसोइ॥१२
०॥हरिद्राशब्द॥कहतहरिद्राबनप
लीनिशाहरिद्रासोइ॥बहरहरिद्रा
बनपलीमंगलकरनीहोइ॥१२१॥
कुंदाशब्द॥बेरघानदीकेटहरीमधु
माषीअहलाष॥इककूकविकुंदाक
हपुनकुंदाहेदाष॥१२२॥सुधाशब्द
॥सुधादुग्धविजरीसुधासुधालेप
नीधाम॥सुधावसघात्रीसुधासुधा
अंब्रितकोनाम॥१२३॥सीताशब्द॥
सीतानिधसीताकृपाशीतागंगाहोय॥
सीताकृषभुवदेवतारामसदरिसोय
॥१२४॥वलाशब्द॥वलासेनवसु
धावलावलाओषधीसोइ॥वला
कहावलेंद्रमीजिकृतानेसमकोइ॥
१२५॥कंशब्द॥कंघनकंमनकंसल
लकंकंचनकंकाम॥कंसुखकंसिरवु
मबसजाकेवसहरस्याम॥१२६॥ह
रशब्द॥हारमुकतकोफलकोहारछ
त्रविस्तारा॥हरविरहीकोवोलको

मारगकहीयतहार॥१२७॥अहिशब्द॥
अहिवासरअहिसाहपुनअहिएकदान
वनाम॥अहिकालीसिरपरनचेनटव
रवरधुनस्याम॥१२८॥कुचशब्द॥कु
चकंयाकुचकीटङ्कदर्भवहुतकुच
हाय॥कासलाईविपुकुचकुचकरकं
वलसोय॥१२९॥कुंतशब्द॥कुंतसलि
लक्षोकुंतकुशाकंतअनलनभकाल॥
॥कंवलकुंतवषानीयेकंतजुबडकरा
ल॥१३०॥कुंतलशब्द॥सत्रधारकुंत
लकहोकुंतलकपरीभष॥खड्गपालि
कुंतलवहुरकंतलकहीयेकेश॥१३१॥
तंत्रशब्द॥तंत्रसात्रसुबतंत्रपुनऔधितंत्र
बधीतंत्र॥तंत्रकहतसंतानकुंसिधिमंत्र
पुनतंत्र॥१३२॥पुंडरीकशब्द॥पंडरी
कसरसिंहपुनपंडरीकआकास॥पुंड
रीकपंकजकहोपुंडरीकरवविकास
॥१३३॥चक्रशब्द॥चक्रचरनरथ
चक्रगनचक्रदेशापुनहोय॥चक्रवाकख
गचक्रपुनचक्रसुदरसनसोय॥१३४॥
परिघशब्द॥परिघपवनजलरथनदी
परघसूरससिसेष॥परिघजुपरि
घपरिघजुशाखविशेष॥१३५॥का
लारशब्द॥कांतारकाननकहोका
तारजुकांतार॥दर्भषराषरजोरटक
अरकंकुपकांतार॥१३६॥षरजोर
शब्द॥गर्भजराषरजोरपुनअरक

रूपबाजेरा ।। कूईजातबजेरईकपुनता
लीसबजेर ।। ३७ ।। डोलशब्द ।। डोलम
हिषदिनडोलपुनडोलवहूरग्रहकोन
।। डोलकाकत्रोडोलपुनकुरत्राचार
जडोन ।। ३८ ।। काछशब्द ।। काछ
कानविशेषपुनकाछनिकाछहोइ ।।
काछात्रुछदिशावहुरकाछावसध
होइ ।। ३९ ।। सितशब्द ।। सिततीक्न
सितशुक्रपुनसितहूपवकानाम ।। सितहि
मगिरसितसेषपुनसितसावरसुष ।
धाम ।। ४० ।। गुरूशब्द ।। गुरगरिब
गुरजीवपुनगुरूजुवहुतदिनजाहा ।
सिषमातापिताएसमरेगुरत्राहा ।।
४१ ।। नंदनशब्द ।। नंदनचंदनकूब
हूतनंदनकहीयतात ।। नंदनपुनवन
इंद्रकूनंदननंदविख्यात ।। ४२ ।। के
तकीशब्द ।। केतकनभकेतककुसमके
तकसुरजचंद ।। केतिककहितमनोज
कूकेतकबोहरोफंद ।। ४३ ।। अनमि
षशब्द ।। अनमिषकहतेदेवता अन
मिषमीनकहंत ।। अनमिषकालक
रालयहजोकोककुनहत्रुत ।। ४४ ।
हंसाशब्द ।। हंसाकालिंदीनदी
हंसापीवरहोय ।। हंसावहुरोडीप
तीहरस्साबात्रुवरसोय ।। ४५ ।। श
कुएकनानात्रुरचपईयतजहांसु

अं ५२

छंदा ॥ सो ॥ जो अनेकारथ को वरनन सुना
या नंद ॥ १४६ ॥ जो अनेकारथ की पढ़ै सु
नै नर सोइ ॥ ताहि अनेकारथ हे सुन बर
मारथ होइ ॥ १४७ ॥ इति श्री नंददास कृ
त अनेकारथ संपूरनं म ॥ संवतु १८०५
८ महीना श्रावण वदी १ दिन मंगल
वार तु लिखी वीहू राय ने पठिवे को ला
म ॥ इति ॥ श्री ॥ शुभं ॥ मं ॥ सु ॥ ७



ਪਤ੍ਰ ੪੮

੩) ਮਾਸੇ [illegible] ਜੁਮੈਨ ਖੁਰਾਸਾਨੀ ੩

ਮਨਸਾ

੩) ਆਰਬ ਜੁਮੈਨ ਮਾਸੇ ੩

੩) ਮਾਸੇ ਦੇਸੀ ਜੁਮੈਨ ੩

੨) ਭੂਲਾ ਦੇ ਦਾਨੇ ੨

੫) ਮਾਸੇ ਤਿਲ ੫

੫) ਮਾਸੇ ਨਾਰਜਿਲ ਪਰਾਨਾ ੫

੮) ਮਾਸੇ ਪਾਰਾ ੮

੪) ਪਰਾਨਾ ਗੁੜ ਚਾਰ ਤੋਲੇ ੪

੧੦ ਆਰਬ ਜੁਮੈਨ
ਆਰਬ ਜੁਮੈਨ ਖੁਰਾਸਾਨੀ ਜੁਮੈਨ ਦੇਸੀ ਜੁਮੈਨ
ਸ੍ਰੀ ਅਕਾਲ ਪੁਰਖ ਸ੍ਰੀ [illegible] ਜੁਮੈਨ
ਸ੍ਰੀ ਆਲਖ ਪਰਮ ਪ੍ਰਮਾਤਮਾ

/ ੫

NAMMALA NAND DAS HINDI

ANEKAARTH

Kishen Lal